अध्याय 9: न्याय

विषय-सूची — 7 प्रश्नावली · 22 प्रश्न

प्रश्नावली 9.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 9.2	सोचिए और लिखिए	3 प्रश्न
प्रश्नावली 9.3	अनुमान और कल्पना	4 प्रश्न
प्रश्नावली 9.4	भाषा की बात	3 प्रश्न
प्रश्नावली 9.5	पाठ से आगे	3 प्रश्न
प्रश्नावली 9.6	पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत	3 प्रश्न
प्रश्नावली 9.7	मैं भी सिद्धार्थ	2 प्रश्न

प्रश्नावली 9.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

जब शाम होती है तो आपको प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई देते हैं?

उत्तर: शाम होते ही सूरज पश्चिम में ढलने लगता है और आकाश लाल-नारंगी हो जाता है। पक्षी अपने घोंसलों की ओर लौटने लगते हैं और चारों ओर शांति और ठंडक छा जाती है।

प्रश्न 2

क्या आपने कभी किसी पशु-पक्षी को बचाया है? उनसे जुड़ा कोई अनुभव साझा कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: एक बार हमारे घर के पास एक घायल कबूतर गिर गया था। मैंने उसे उठाकर एक डिब्बे में रखा और उसे दाना-पानी दिया। कुछ दिन बाद वह ठीक होकर उड़ गया और मुझे बहुत खुशी हुई।

प्रश्न 3

यदि आप मंत्री के स्थान पर होते तो न्याय कैसे करते?

उत्तर: यदि मैं मंत्री के स्थान पर होता, तो वही करता जो मंत्री जी ने किया। मैं हंस को दोनों राजकुमारों के सामने रखकर देखता कि वह किसके पास जाता है, क्योंकि पक्षी स्वयं जानता है कि कौन उससे प्यार करता है।

प्रश्न 4

इस नाटक में सभी पात्र पुरुष हैं। यदि किन्हीं दो पात्रों को महिला पात्र के रूप में प्रस्तुत करना हो तो आप किन्हें बदलकर प्रस्तुत करना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर: मैं सखा को सखी और मंत्री को मंत्रिणी बनाकर प्रस्तुत करता। इससे यह संदेश जाएगा कि महिलाएँ भी सच्ची मित्र और बुद्धिमान न्यायाधीश हो सकती हैं।

प्रश्नावली 9.2 — सोचिए और लिखिए

प्रश्न 1

हंस को घायल देखकर सिद्धार्थ ने क्या किया?

उत्तर: हंस को घायल देखकर सिद्धार्थ ने उसे अपनी गोद में उठा लिया और उसके शरीर से तीर निकाल दिया। उन्होंने करुणा और स्नेह से हंस की देखभाल की और अपने सखा को राजवैद्य से मरहम लाने भेजा।

प्रश्न 2

अंततः हंस सिद्धार्थ को ही क्यों मिला?

उत्तर: अंततः हंस सिद्धार्थ को मिला क्योंकि सिद्धार्थ ने उसे प्यार और सुरक्षा दी थी, जबकि देवदत्त ने उसे तीर मारकर घायल किया था। हंस ने स्वयं उड़कर सिद्धार्थ की गोद में आकर यह सिद्ध कर दिया।

प्रश्न 3

कहानी को अपने ढंग से प्रवाह चार्ट के रूप में लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: सिद्धार्थ और सखा का उद्यान में प्रकृति का आनंद लेना → देवदत्त द्वारा उड़ते हंस पर तीर चलाना → सिद्धार्थ का हंस को गोद में उठाकर उसकी देखभाल करना → देवदत्त का हंस माँगना और सिद्धार्थ का मना करना → महाराज की सभा में न्याय के लिए जाना → मंत्री का परीक्षण → हंस का सिद्धार्थ की गोद में आना → महाराज का न्यायपूर्ण निर्णय।

प्रश्नावली 9.3 — अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1

जिस समय आकाश में हंस को तीर लगा उस समय उसके अन्य साथियों ने आपस में क्या बातें की होंगी?

उत्तर: हंस के साथी आपस में कहते: "कितना निर्दयी है यह इंसान! हम तो शांति से उड़ रहे थे।" एक साथी ने कहा होगा: "वह नीचे गिर रहा है, उसे कोई दयालु इंसान उठा ले, नहीं तो वह बच नहीं पाएगा।" सब साथी उसकी सलामती की प्रार्थना करते हुए उड़ गए होंगे।

प्रश्न 2

हंस देवदत्त के पास उड़कर क्यों नहीं गया?

उत्तर: हंस देवदत्त के पास इसलिए नहीं गया क्योंकि देवदत्त ने ही उसे तीर मारकर घायल किया था। वह उससे डरता था और उसे सिद्धार्थ की गोद में प्यार और सुरक्षा मिली थी, इसलिए वह उन्हीं के पास रहना चाहता था।

प्रश्न 3

राजा शुद्धोदन ने निर्णय के बाद सिद्धार्थ से क्या कहा होगा?

उत्तर: राजा शुद्धोदन ने कहा होगा: "पुत्र सिद्धार्थ, तुमने आज यह सिद्ध किया कि बचाने वाला मारने वाले से बड़ा होता है। तुम्हारी करुणा और न्यायप्रियता पर मुझे गर्व है।"

प्रश्न 4

एक रात सिद्धार्थ मीठी नींद सो रहे हैं। उनके सपने में हंस आता है और सिद्धार्थ के साथ न्याय वाले दिन का अपना अनुभव सुनाता है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि हंस ने सिद्धार्थ से क्या-क्या बातें की होंगी?

उत्तर: नमूना उत्तर: हंस कहता: "कुमार, जब वह तीर लगा तो मुझे लगा सब समाप्त हो गया। पर तुमने मुझे उठाया, तीर निकाला और इतने प्यार से सँभाला — उस पल मुझे माँ की याद आ गई। आज मैं आज़ाद उड़ता हूँ, पर तुम्हारी करुणा हमेशा मेरे दिल में रहेगी।"

प्रश्नावली 9.4 — भाषा की बात

प्रश्न 1

पाठ में 'हंस' और 'हँस' शब्द आए हैं — हंस में अनुस्वार (ं) और हँस में चंद्रबिंदु (ँ) का प्रयोग हुआ है। इस पाठ में आए अनुस्वार एवं चंद्रबिंदु वाले शब्दों को खोजिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर: अनुस्वार वाले शब्द — हंस, संध्याकाल, मंच, मंत्री, शांत, बंधन। चंद्रबिंदु वाले शब्द — हँस, माँ, साँस, काँप, पुचकारें। वाक्य: संध्याकाल में आकाश लाल हो जाता है। माँ ने बच्चे को प्यार से पुचकारा।

प्रश्न 2

रेखांकित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए — (क) सूर्य का उदय पूर्व दिशा में और ..... पश्चिम दिशा में होता है। (ख) उसने मारा है परंतु मैंने ..... है। (ग) इस निर्दोष पक्षी को मारने वाला ..... है। (घ) इस जटिल समस्या का हल बहुत ..... है।

उत्तर: (क) अस्त (ख) बचाया (ग) दोषी (घ) सरल

प्रश्न 3

नीचे दिए गए चित्रों और शब्दों को जोड़कर मुहावरे/लोकोक्ति बनाइए। साथ ही अपनी रुचि के किन्हीं पाँच मुहावरों और लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग भी कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: (क) मगरमच्छ के आँसू बहाना — वह दूसरों को दुख देकर भी रोता रहता है, जैसे मगरमच्छ के आँसू बहाना। (ख) आँख मिचौनी खेलना — वह हर बार वादा करके मुकर जाता है। (ग) एक और एक ग्यारह — मिलकर काम करें तो एक और एक ग्यारह होते हैं। (घ) अक्ल बड़ी या भैंस — बुद्धि से बड़ी और कोई शक्ति नहीं। (ङ) नौ दो ग्यारह होना — पुलिस देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।

प्रश्नावली 9.5 — पाठ से आगे

प्रश्न 1

हंस वाली घटना के बाद सिद्धार्थ देवदत्त को एक संदेश देना चाहते हैं। आपके अनुसार सिद्धार्थ ने देवदत्त को क्या संदेश लिखकर भेजा होगा —

उत्तर: नमूना उत्तर: प्रिय भाई देवदत्त, सप्रेम नमस्कार। आज की घटना ने मुझे सिखाया कि जीवन की रक्षा करना ही सबसे बड़ी वीरता है। निर्दोष प्राणियों को घायल करना वीरता नहीं। आओ, हम मिलकर करुणा और न्याय की राह चलें। तुम्हारा भाई, सिद्धार्थ।

प्रश्न 2

बगीचे में सुंदर-सुंदर गुलाब के फूल लगे हैं। प्रमोद उन फूलों को तोड़कर अपने पास रख लेता है। करुणा प्रतिदिन फूलों को खाद-पानी देकर उनकी देखभाल करने का निर्णय लेती है। आप इन फूलों से अपना प्रेम कैसे दर्शाएँगे एवं क्यों?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं करुणा की तरह फूलों को रोज़ पानी दूँगा और उनकी देखभाल करूँगा। फूल तोड़ने से वे मुरझा जाते हैं, लेकिन पेड़ पर रहें तो हम रोज़ उनकी सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। प्रकृति की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है।

प्रश्न 3

कुछ पक्षियों की संख्या निरंतर कम होती जा रही है जैसे गौरैया। चित्रों में दिए गए संकेतों को देखकर सहपाठियों के साथ चर्चा कीजिए — पक्षियों की संख्या कम होने के क्या कारण हैं और हम उनकी रक्षा के लिए क्या कर सकते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: पक्षियों की संख्या कम होने के कारण हैं — पेड़ों की कटाई, खेतों में कीटनाशक का उपयोग और इमारतें बढ़ने से घोंसले बनाने की जगह का कम होना। हम पेड़ लगाकर, पानी के कटोरे रखकर और पक्षियों को पत्थर मारने से रोककर उनकी रक्षा कर सकते हैं।

प्रश्नावली 9.6 — पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत

प्रश्न 1

अपने सहपाठियों के साथ पुस्तकालय में जाइए और गौतम बुद्ध से संबंधित जातक कथाओं को पढ़िए।

उत्तर: नमूना उत्तर: पुस्तकालय में जाकर जातक कथाओं की पुस्तक ढूँढें। 'वेस्सन्तर जातक' और 'तित्तिर जातक' जैसी कथाएँ पढ़ें जो करुणा, दान और सत्य का संदेश देती हैं। इस पाठ के सिद्धार्थ ही आगे चलकर गौतम बुद्ध बने।

प्रश्न 2

राजा विक्रमादित्य भी अपने न्याय के लिए प्रसिद्ध थे। राजा विक्रमादित्य के न्याय से जुड़ी कथाओं को पुस्तकालय सहायक एवं सहपाठियों की सहायता से ढूँढ़िए और उन पर बातचीत कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: पुस्तकालय में 'सिंहासन बत्तीसी' और 'बेताल पच्चीसी' जैसी पुस्तकें मिलेंगी जिनमें राजा विक्रमादित्य की न्यायप्रियता की कहानियाँ हैं। कक्षा में इन कथाओं पर चर्चा करें।

प्रश्न 3

आपके घर अथवा आस-पास ऐसे कौन-से व्यक्ति हैं जिनके पास लोग अपनी समस्याओं को सुलझाने हेतु सहायता के लिए जाते हैं? उनके बारे में अभिभावकों से पूछिए और कक्षा में साझा कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: हमारे मोहल्ले में एक बुजुर्ग दादाजी हैं जिनके पास लोग झगड़े सुलझाने और सलाह लेने आते हैं। वे शांत स्वभाव के हैं और दोनों पक्षों को सुनकर निष्पक्ष निर्णय देते हैं।

प्रश्नावली 9.7 — मैं भी सिद्धार्थ

प्रश्न 1

नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं जो सहायता, समझदारी और करुणा से संबंधित हैं। कक्षा में अपने समूह में इन पर संवाद कीजिए एवं किसी एक चित्र पर कुछ पंक्तियाँ भी लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: (पेयजल चित्र पर) जब गरमी में प्यासे पथिक को पानी दिया जाता है, तो वह सिद्धार्थ जैसी करुणा है। दूसरों की तकलीफ में काम आना ही सच्ची मदद है।

प्रश्न 2

नाटक के प्रथम दृश्य में सिद्धार्थ और उनका सखा राज-उद्यान के सौंदर्य को देख-सुनकर आनंद ले रहे हैं। यदि उनका कोई सखा देखने-सुनने में असमर्थ होता तो सिद्धार्थ उसे इस आनंद का अनुभव कैसे करवाते?

उत्तर: सिद्धार्थ अपने असमर्थ सखा के हाथ को फूलों पर रखते, पक्षियों की आवाजें ध्यान से सुनाते और हवा की ठंडक महसूस कराते। वे उसे बताते कि उद्यान में क्या हो रहा है ताकि वह भी पूरी तरह आनंद ले सके।